भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 729
उत्तर देने की तारीख 21.07.2022

वीडियो सुरक्षा उत्पादों का विनिर्माण

729. श्री कुरुवा गोरांतला माधवः

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत को एक वैश्विक वीडियो सुरक्षा उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में परिवर्तित करने हेतु 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत वीडियो सुरक्षा उत्पादों का निर्माण करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौर क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने देश में वीडियो सुरक्षा उत्पाद संकुलों की स्थापना करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा)

(क) से (घ): सरकार ने निवेश को आसान बनाने, नवप्रर्वन को बढ़ावा देने और भारत को विनिर्माण, डिज़ाइन और नवप्रवर्तन का केंद्र बनाने के लिए बहुत से कार्यक्रम शुरु किए हैं। 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 15 विनिर्माण क्षेत्रों के लिए कार्य योजनाओं का समन्वय करता है, जबकि वाणिज्य विभाग 12 सेवा क्षेत्र योजनाओं का समन्वय करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) द्वारा संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज स्कीम (एम-सिप्स) का संचालन किया जाता है जिसमें यह इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सुविधा (एसईज़ेड इकाइयों के लिए 20% और गैर-एसईज़ेड इकाइयों के लिए 25%) की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय में निवेश हेतु 20-25% सब्सिडी प्रदान करता है। प्रतिपूर्ति आधार पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और उत्पाद घटकों की 44 श्रेणियों के लिए प्रोत्साहन उपलब्ध हैं।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) में वीडियो सुरक्षा उत्पादों के विनिर्माण के लिए कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है, जिनमें ऐसे उत्पादों का डिज़ाइन, इंक्यूबेट, विनिर्माण और विपणन किया जा सकता है। इन स्कीमों में अन्य बातों के साथ-साथ एमएसएमई नवप्रवर्तनशील, सूक्ष्म और लघु उद्यम क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी) और प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) शामिल हैं।

****